झांसी, लखनऊ, आगरा, गुना, सतना, रीवा, भोपाल व ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित

स्वदेश ग्वालियर समूह का स्वर्ण जयंती वर्ष

www. swadeshnews.in

1971-2021 स्वदेश ग्वालियर समूह

स्वदेश

जो मृत्यु के समय मुझे स्मरण करते हुए अपना शरीर त्यागता है, वह मेरे धाम को प्राप्त होता है। इसमें कोई संशय नहीं है।
• भगवत गीता

• झांसी • मंगलवार 23 नवंबर 2021, अगहन कृष्णपक्ष-4 • संवत् 2078, • युगाब्द 5123 • वर्ष : 23 • अंक : 140 • मूल्य 3.00 रु. • पृष्ठ 12

झाँसी नगर में प्रथम नक्षत्र वाटिका की स्थापना

नक्षत्र वाटिका का अवलोकन करते निदेशक।

झाँसी । केन्द्रीय कृषिवानिकी अनुसंधान संस्थान, झाँसी में झाँसी नगर की प्रथम नक्षत्र वाटिका की स्थापना पौधरोपण करके की गई। यह कार्यक्रम संस्थान के निदेशक डॉ. ए. अरूणाचलम की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। डॉ. अरूणाचलम ने कहा कि पर्यावरण संतुलन, अध्यात्मिक समावेश के लिए तथा मानवता के कल्याण हेतु हमारे वेदों एवं शास्त्रों में नक्षत्र वृक्षों का विधिवत् उल्लेख किया गया है। इसी उद्देश्य से संस्थान में एक नक्षत्र वाटिका का पौधरोपण किया गया।

प्रत्येक नक्षत्र की अपनी प्रतिनिधि वृक्ष प्रजाति होती है जैसे - अश्वनी-आंवला, भरणी-फाइकस, कृतिका-गुलर, रोहिणी-जामुन, मृगशिरा-खैर, आद्रा-पाखड़, पुर्नवसु-बांस, पुष्य-पीपल, अश्लेषा-नागकेशर, माघ-बरग द, पूर्वा फाल्गुनी-पलास, उत्तरा फाल्गुनी-कनेर, हस्त-रीठा, चित्रा-बेल, स्वाति-अर्जुन, विशाखा-कैथा, अनुराधा-मौलसिरी, ज्येष्ठा-कैलमस, मूल-अंजन, पूर्वाषाढ़ा-अशोक, उत्तराषाढ़ा-कटहल, श्रावण-मदार, धनिष्ठा-खेजड़ी/शमी, शतभिषा-कदम, पूर्व भाद्रपद-आम, उत्तरा भाद्रपद-नीम, रेवती-महुआ। इस सन्दर्भ में उत्तर प्रदेश का राज्य वृक्ष अशोक (साराका ईंडिका) जो पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र का प्रतिनिधित्व करता है, का पौधरोपण भी इस नक्षत्र वाटिका में किया गया है। संस्थान के वैज्ञानिकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा सत्ताईस विशिष्ट वृक्षों का नक्षत्र वाटिका में पौधरोपण किया गया। संस्थान के निदेशक डॉ. ए. अरूणाचलम के अनुसार नक्षत्र वाटिका की स्थापना से संस्थान से जुड़े व्यक्तियों के जीवन में समृद्धि और ऊर्जा का संचालन करने में मदद मिलेगी और मानवीय तरीके से कर्तव्यों का निर्वाह होगा। उन्होंने झाँसी की जनता एवं क्षेत्र के किसान भाईयों को संस्थान में नव स्थापित नक्षत्र वाटिका में आकर अवलोकन एवं लाभ प्राप्त करने के लिए आह्वान किया। कार्यक्रम का समन्यवन डॉ. सुरेश रमणन एस. ने किया।

कानपुर, मंगलवार 23 नवम्बर, 2021
हिन्दी जगत में सर्वाधिक लोकप्रिय
वाराणसी | गोरखपुर | प्रयागराज
कानपुर (झांसी) | लखनऊ
आगरा | बरेली | पटना
रांची (धनबाद संस्करण)
जमशेदपुर
online Edition
www.ajhindidaily.com
आज
तापमान अधिकतम 27.6 डि.से. न्यूनतम 14.8 डि.से.

10 अलेक्सांद्र ज्वेरेव
एटीपी फाइनल्स खिताब जीता

जॉन अब्राहम 12
ट्रिपल रोल करना चुनौती पूर्ण

झांसी नगर की प्रथम नक्षत्र वाटिका की स्थापना

(आज समाचार सेवा)

झांसी। केन्द्रीय कृषिवानिकी अनुसंधान संस्थान, झांसी में आज झांसी नगर की प्रथम नक्षत्र वाटिका की स्थापना पौधरोपण करके की गई। यह कार्यक्रम संस्थान के निदेशक डॉ. ए. अरूणाचलम की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। डॉ. अरूणाचलम ने कहा कि पर्यावरण संतुलन, अध्यात्मिक समावेश के लिए तथा मानवता के कल्याण हेतु हमारे वेदों एवं शास्त्रों में नक्षत्र वृक्षों का विधिवत् उल्लेख किया गया है। इसी उद्देश्य से संस्थान में एक नक्षत्र वाटिका का पौधरोपण किया गया। प्रत्येक नक्षत्र की अपनी प्रतिनिधि वृक्ष प्रजाति होती है जैसे - अश्वनी-आंवला, भरणी-फाइकस, कृतिका-गुलर, रोहिणी-जामुन, मृगशिरा-खैर, आद्रा-पाखड़, पुर्नवसु-बांस, पुष्य-पीपल, अश्लेषा-नागकेशर, माघ-बरग द, पूर्वा फाल्गुनी-पलास, उत्तरा फाल्गुनी-कनेर, हस्त-रीठा, चित्रा-बेल, स्वाति-अर्जुन, विशाखा-कैथा, अनुराधा-मौलसिरी, ज्येष्ठा-कैलमस, मूल-अंजन, पूर्वाषाढ़ा-अशोक, उत्तराषाढ़ा-कटहल, श्रावण-मदार, धनिष्ठा-खेजड़ी/शमी, शतभिषा-कदम, पूर्व भाद्रपद-आम, उत्तरा भाद्रपद-नीम, रेवती-महुआ। इस सन्दर्भ में उत्तर प्रदेश का राज्य वृक्ष अशोक (साराका ईंडिका) जो पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र का प्रतिनिधित्व करता है, का पौधरोपण भी इस नक्षत्र वाटिका में किया गया है।

संस्थान के वैज्ञानिकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा आज सत्ताईस विशिष्ट वृक्षों का नक्षत्र वाटिका में पौधरोपण किया गया।

संस्थान के निदेशक डॉ. ए. अरूणाचलम के अनुसार नक्षत्र वाटिका की स्थापना से संस्थान से जुड़े व्यक्तियों के जीवन में समृद्धि और ऊर्जा का संचालन करने में मदद मिलेगी और मानवीय तरीके से कर्तव्यों का निर्वाह होगा। उन्होंने झाँसी की जनता एवं क्षेत्र के किसान भाईयों को संस्थान में नव स्थापित नक्षत्र वाटिका में आकर अवलोकन एवं लाभ प्राप्त करने के लिए आह्वान किया।

कार्यक्रम का समन्वयन डॉ. सुरेश रमणन एस. ने किया।

वाटिका में पौध रोपण करते हुए निदेशक डॉ. ए. अरूणाचलम व अन्य। छाया-आज